डी.ई.सी.ई.

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल
एवं शिक्षा
में डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 1 से 3
(जनवरी 2022 एवं जुलाई 2022)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सतत् शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य–1-3
जनवरी 2022 और जुलाई 2022

कार्यक्रम कोड : डीईसीई

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको तीन सत्रीय कार्य करने हैं। **ये तीनों सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।**

डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए आपको तीनों सत्रीय कार्यों में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क', 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीनों भाग अनिवार्य हैं। यदि कोई भाग छूट जाएगा तो आपका सत्रीय कार्य पूरा नहीं माना जाएगा और आपको अंक नहीं मिलेंगे। आपको सत्रीय कार्य दोबारा करना पड़ेगा।

तीनों सत्रीय कार्यों के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य का भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको प्रत्येक पाठ्य सामग्री के साथ मिल गई होगी। **प्रत्येक नियमावली में 9 से 10 अभ्यास हैं, जिसमें से आपको दो अभ्यास सत्रीय कार्य हेतु करने हैं।** प्रत्येक नियमावली में से कौन-से अभ्यास सत्रीय कार्य के लिए करने हैं, यह इस पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनाओं को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे। **फिर भी हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी 9 या 10 अभ्यासों को करें।** ऐसा करने से आप बच्चों के साथ अंतःक्रिया करने के कौ ल भी विकसित कर पाएंगे और परियोजना कार्य (यानी, पाठ्यम 4) करने में आपको सहायता मिलेगी। साथ ही, सभी अभ्यास करने के बाद आप मूल्यांकन के लिए वह प्रयोगात्मक अभ्यास भेज सकते हैं जो आपने बेहतर रूप से किया हो।

सत्रीय कार्यों का उद्दे य : इन सत्रीय कार्यों का एक उद्दे य यह मूल्यांकन करना है कि पाठ्यक्रमों में वर्णित संकल्पनाओं को आप कितनी अच्छा तरह समझ पाए हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'क' में दिए गए प्र नों से किया जाएगा। इन सत्रीय कार्यों का दूसरा लक्ष्य यह जानना भी है कि आप इन संकल्पनाओं को दिन-प्रतिदिन की स्थितियों में किस हद तक लागू कर सकते हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'ख' और 'ग' में बताए गए प्रयोगात्मक अभ्यासों से किया जाएगा। प्रयोगात्मक अभ्यासों द्वारा आपको बच्चों के विकास के बारे में समझने का अवसर मिलेगा और आप खंडों में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनों को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय कार्य और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या ज़रूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।
2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या ....
सत्रीय कार्य सं.	नाम ....
अध्ययन केंद्र	पता ....
	....
	दिनांक ....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उसे सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।
4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
5. **इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।**

सत्रीय कार्य-1

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई.-1

सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई.-1 / सत्रीय कार्य-1 / टीएमए-1 / 2022

जनवरी 2022 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2022 (कुल अंक = 100)

जुलाई 2022 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2023

भाग (क),(ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग (क)

(60 अंक)

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्न लिखित प्रत्येक के बारे में लगभग 200 शब्दों में लिखिए
   - क) विकास की निर्णायक अवधियाँ
   - ख) नवजात की संवेदी-योग्यताएँ
   - ग) विकास की निगरानी (वृद्धि अनुवीक्षण)
   - घ) जीवत्वारोपण
   - ङ) लय, संगीत और गतिशीलता का महत्त्व

(3x5=15 अंक)

2) आप एक ग्रीष्मकालीन शिविर चला रहे हैं जिसमें चार से साढ़े चार वर्ष की आयु के 10 शालापूर्व बच्चे शामिल हैं। निम्नलिखित प्रत्येक विकास के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए आप जो एक-एक खेल-क्रिया / गतिविधि आयोजित करेंगे, उसका वर्णन कीजिए :
   - क) संज्ञानात्मक विकास
   - ख) शरीर-क्रियात्मक विकास
   - ग) सामाजिक-भावात्मक विकास
   - घ) भाषायी विकास

   प्रत्येक गतिविधि / खेल-क्रिया के लिए अपेक्षित सामग्री (ग्रियाँ), यदि कोई हों तो, उसकी विधि, तथा उस गतिविधि से उस विकास के क्षेत्र के जिस विशिष्ट पहलू को बढ़ावा मिलेगा, इन सबका उल्लेख कीजिए। (प्रत्येक गतिविधि / खेल-क्रिया 150-200 शब्दों में) (3x4=12 अंक)

3. माता-पिता के व्यवहार की विभिन्न शैलियों का वर्णन कीजिए। प्रत्येक शैली बच्चे के व्यक्तित्त्व पर क्या प्रभाव डालती है, चर्चा कीजिए। (700 शब्दों में) (8 अंक)

4. क) समेकित बाल विकास सेवा योजना (आई.सी.डी.एस.) द्वारा प्रदान की जाने वाली छह सेवाओं को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक सेवा के लाभार्थियों का उल्लेख कीजिए। (200 शब्दों में)

   ख) आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम की किन्हीं दो चुनौतियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (200 शब्दों में) (3+2=5 अंक)

5. मान लीजिए कि आप एक ईसीसीई केंद्र में नियुक्ति हुए हैं और आपको अपनी कक्षा के भीतरी स्थान की व्यवस्था का दायित्व दिया गया है। आप स्थान की व्यवस्था कैसे करेंगे और ऐसा करते समय आप किन बातों को ध्यान में रखेंगे, वर्णन कीजिए। व्यवस्था को दर्शाने के लिए आप फ्लोर चार्ट (Floor Chart) बना सकते हैं।

(500 शब्दों में) (5 अंक)

6. शालापूर्व केंद्र में बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन करने के किन्हीं दो तरीकों का वर्णन कीजिए।

(300 शब्दों में) (4 अंक)

7. बाल देखभाल केंद्र की गतिविधियों में माता-पिता को सम्मिलित करने के लिए, उन तक पहुंचने की किन्हीं दो विधियों (तरीकों) का वर्णन कीजिए। (500 शब्दों में) (5 अंक)

8. बच्चों में आक्रामकता के किन्हीं तीन कारणों पर चर्चा कीजिए। माता-पिता बच्चों को समाजिकृत करने/आक्रामक व्यवहार से निपटने के जिन तीन तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं, उनका वर्णन कीजिए।

(500 शब्दों में) (3+3=6 अंक)

भाग (ख)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के अवलोकन से संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यो की नियमावली में वर्णित 4,6 या 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्शदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं, तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 4

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	बच्चे तथा माता–पिता का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना:	**10 अंक**
	अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	**10 अंक**

अभ्यास 6

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	बच्चे काअवलोकन करना तथा अवलोकनों का रिकार्ड करना :	**10 अंक**
	अवलोकनों को विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	**10 अंक**

अभ्यास 7

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	**5+5= 10 अंक**
	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	**5+5= 10 अंक**

भाग (ग)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8या9 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्शदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपकोखेल क्रियाओं की योजना बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 5

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों को रिकार्ड करना:	**10 अंक**
	खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना :	**10 अंक**

अभ्यास 8

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना :	**5+5= 10 अंक**
	क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना :	**5+5= 10 अंक**

अभ्यास 9

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	त्यौहार का वर्णन करना:	**2 अंक**
	कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देना:	**6 अंक**
	सप्ताह भर की गतविधियों की अनुसूची बनाना:	**6 अंक**
	गतिविधियों की अनुसूचियों का संक्षिप्त विवरण:	**6 अंक**

सत्रीय कार्य-2

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई.-2

सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई.-2/सत्रीय कार्य-2/टीएमए- 2/2022

जनवरी 2022 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2022 **(कुल अंक = 100)**

जुलाई 2022 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2023

भाग (क), (ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(60 अंक)**

1. निम्नलिखित प्रत्येक के बारे में संक्षेप में लगभग 150 शब्दों में लिखिए।
   (क) स्वास्थ्य–बीमारी का स्पैक्ट्रम
   (ख) संतुलित आहार
   (ग) स्तन पान कराने का महत्व
   (घ) वृद्धि अगुवीक्षण (2x4=8)

2. समय के साथ स्वास्थ्य की संकल्पना में क्या बदलाव आया है स्पश्ट कीजिए और इसके विभिन्न आयामों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द, 5 अंक)

3. (क) शिशु को आहार देने में बाल देखभाल कार्यकर्ता की भूमिका का वर्णन कीजिए। (300 शब्द, 3 अंक)
   (ख) बच्चों को स्वास्थ्य व पोषण-संबंधी संदेश देने के लिए जो गतिविधियॉ आयोजित कर सकते हैं, उनमें से किन्ही दो का वर्णन कीजिए। (300 शब्दों, 2+2=4 अंक)

4. निम्नलिखित पोषक तत्वों के कोई दो कार्यो और कोई दो खाद्य-स्रोत्रों को सूचीबुद्ध कीजिए।
   (क) कार्बोज
   (ख) प्रोटीन
   (ग) वसा
   (घ) विटामिन (½ अंक प्रति कार्य/खाद्य स्त्रोत/पोषक तत्व = 2x4=8 अंक)

5. (क) अल्प या सीमित बीमारी के कोई चार लक्षण बताइए।
   (ख) बीमार बच्चे की देखभाल के नियमों की चर्चा कीजिए। (2+4=6 अंक)

6. एक देखभालकर्ता के नाते, निम्नलिखित मामले में आप बच्चे को क्या प्रथमिक सहायता प्रदान करेंगे ?
   (क) बिजली का झटका लगना
   (ख) जहरीला पदार्थ निगल लेना
   (ग) नीचे गिरना और हाथ की हड़ी टूटना (प्रत्येक 150 शब्द, 2x3=6 अंक)

7. (क) गर्भवती महिला के लिए आहारों की योजना बनाते समय किन पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए ? (300 शब्द, 4 अंक)

(ख) गर्भवती महिला के लिए दोपहर का संतुलित आहार सुझाइए और बताइए कि व्यजन–सूची के प्रत्येक खाद्य-पदार्थ से उसे कौन–कौन से पोषक तत्व मिलेगें? (3 अंक)

8. (क) प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण (PEM) क्या है ? । (200 शब्दों, 2अंक)

(ख) मरास्मस और क्वाशियोरकॅार के लक्षणें में अन्तर बताइए। (300 शब्द, 3अंक)

9. निम्नलिखित बाल्यावास्था बीमारियों के लक्षणों, प्रबधन व्यव्स्था और रोकथाम का वर्णन कीजिए।

(क) काली खासी

(ख) टाइफाइड

(ग) स्कैबीज

(घ) खसरा

(200 शब्दों प्रति बीमारी, 2x4=8 अंक)

भाग (ख) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-2 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए हैं।

अभ्यास संख्या 2 या 3 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन दोनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्शदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्शी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं। यदि किसी अभ्यास के अंक 20 से अधिक है तो पराम दाता पूरे अभ्यास को पढ़ने के बाद अंकों को 20 में से परिवर्तित कर देगी।

भाग (ग) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-2 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए हैं। अभ्यास संख्या 5, 6 या 7 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन दोनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्शदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्शी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।

सत्रीय कार्य-3
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई.-3

सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई.-3 / सत्रीय कार्य-3 / टीएमए- 3 / 2022

जनवरी 2022 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2022
जुलाई 2022 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2023

(कुल अंक = 100)

भाग (क), (ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(60 अंक)

1. निम्नलिखित प्रत्येक शिक्षाविद के शैक्षणिक विचारों की कोई तीन मुख्य विशेषताएं बताइए।
   (क) तारबाई मोदक (ख) मरिया मॉंटेसोरी
   (ग) रवीन्द्रनाथ टैगोर (घ) फ्रेडरिक फ्रोबेल
   (3X4=12 अंक)
2. प्रारंमिक बाल्यावस्था विकास अंतक्षेपों का तर्काधार बताइए। (500 शब्दो, 5 अंक)
3. क) द्रष्टि दोष के कारण बच्चे का संज्ञानात्मक विकास कैसे प्रभावित होता है ?
   ख) द्रष्टि दोष वाले बच्चे की चलने–फिरने में देखभालकर्त्ता किस–किस तरीकों से सहायता कर सकती है ?
   (प्रत्येक 300 शब्द, 3+3=6 अंक)
4. शालापूर्व अध्यापिका / देखभलकर्त्ता निम्नलिखित से कैसे निपट सकती है ?
   क) बच्चे का आक्रामक व्यवहार
   ख) अति सक्रिय बच्चा
   (प्रत्येक 300 शब्दों मे, 3+3=6 अंक)
5. अक्षम बच्चों के माता–पिता किन भावनाओं और मनोवेगों का अनुभव करते है, वर्णन कीजिए।
   (600 शब्द, 6 अंक)
6. निम्नलिखित से ग्रस्त बच्चे की विशेषताएँ / लक्षण बताइए ।
   क) प्रमस्तिश्क प्रघात
   ख) मानसिक मंदता
   (प्रत्येक 300 शब्दो में, 4+4=8 अंक)
7. निम्नलिखित प्रत्येक का 300 शब्दो में वर्णन कीजिए।
   (क) केस अध्ययन विधि
   (ख) लेबल करने के नकारात्मक प्रभाव
   (ग) बच्चे-से-बच्चे की कार्यनीति
   (घ) प्रभावी संप्रेशण में व्यवधान
   (3x4=12 अंक)
8. उदाहरण देते हुए अच्छे पर्यवेक्षक की विशेशताओं का वर्णन कीजिए। (500 शब्द, 5 अंक)

भाग (ख) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-3 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए अभ्यास संख्या 1, 2, 9 या 10 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन चारों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्शदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्शी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।

भाग (ग) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-3 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए अभ्यास संख्या 6, 7 या 8 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन तीनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए पराम दाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्शी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।